

# भारतीय यौर न्यायिक

बीस रुपये

₹ 20

Rs. 20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

\*\*श्री\*\*

मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

मध्यप्रदेश प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम 2000 की धारा 2 के अंतर्गत

08AA 449276

- \*\*घोषणा-पत्र-\*\*

गह कि, घोषणाकर्ता श्री योगेन्द्र मोहन पिता श्री रामभूषण भट्टनागर, निवासी 61-ए, साकेत नगर, इन्दौर (जिन्हें इस लेख में आगे सुविधा की दृष्टि से घोषणाकर्ता के नाम से संबोधित किया गया है) एतद द्वाय यह कथन करते हैं कि :—

(1) यह कि, घोषणाकर्ता के स्वामित्व एवं आधिपत्य का निर्णाणाधीन भवन शहर इन्दौर के "साकेत नगर" यहां पर प्लाट नंबर 61-ए का है। सदर भूखण्ड घोषणाकर्ता द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज नंबर 13/ 1452 दिनांक 24-9-1974 के द्वारा क्य किया गया है। सदर प्लाट की लंबाई 70 फीट तथा चौड़ाई 30 फीट होकर इस प्रकार कुल क्षेत्रफल 2100 वर्गफीट है। घोषणाकर्ता के द्वारा सदर प्लाट पर इन्दौर नगर निगम से नक्शा स्वीकृत मानचित्र क्रमांक 21083 दिनांक 1-6-2010 के अनुसार बहुमंजिला भवन का निर्माण किया है। इस भवन के संबंध में घोषणाकर्ता मध्यप्रदेश प्रकोष्ठ स्वामित्व आधेनियम 2000 की धारा 2 के अंतर्गत यह लेख निष्पादित कर रहे हैं।

चतुर्सीमा :-

पूर्व में	:	वीरेन्द्र मोहन भट्टनागर का मकान
पश्चिम में	:	योगेश गुप्ता जी का मकान
उत्तर में	:	सड़क
दक्षिण में	:	कनाडिया रोड़

अविरत ..... 2

15577 G-81 वडा 20  
— 5 = 100/-

21 JUL 2011

21 मोहन पिंड 2011 मध्यभारत  
Panaji - 61-A मुद्रांक संग्रही  
देश

मध्यभारत जैन

मध्यभारत देश  
व. गो. भारत, इन्दौर (म. भ.)

द्वाक अधिनियम के अंतर्गत मुद्राक शुल्क ----- 100  
सगर तिगन अधिनियम के अंतर्गत नद्राक शुल्क -----  
चिपत अधिनियम के अंतर्गत युद्धांक शुल्क -----  
उपकर अधिनियम के अंतर्गत मुद्रांक शुल्क -----  
वातिरिस्त मुद्रांक शुल्क -----  
बिहार लाल

पीय 100/-  
ज्ञान प्रसारण



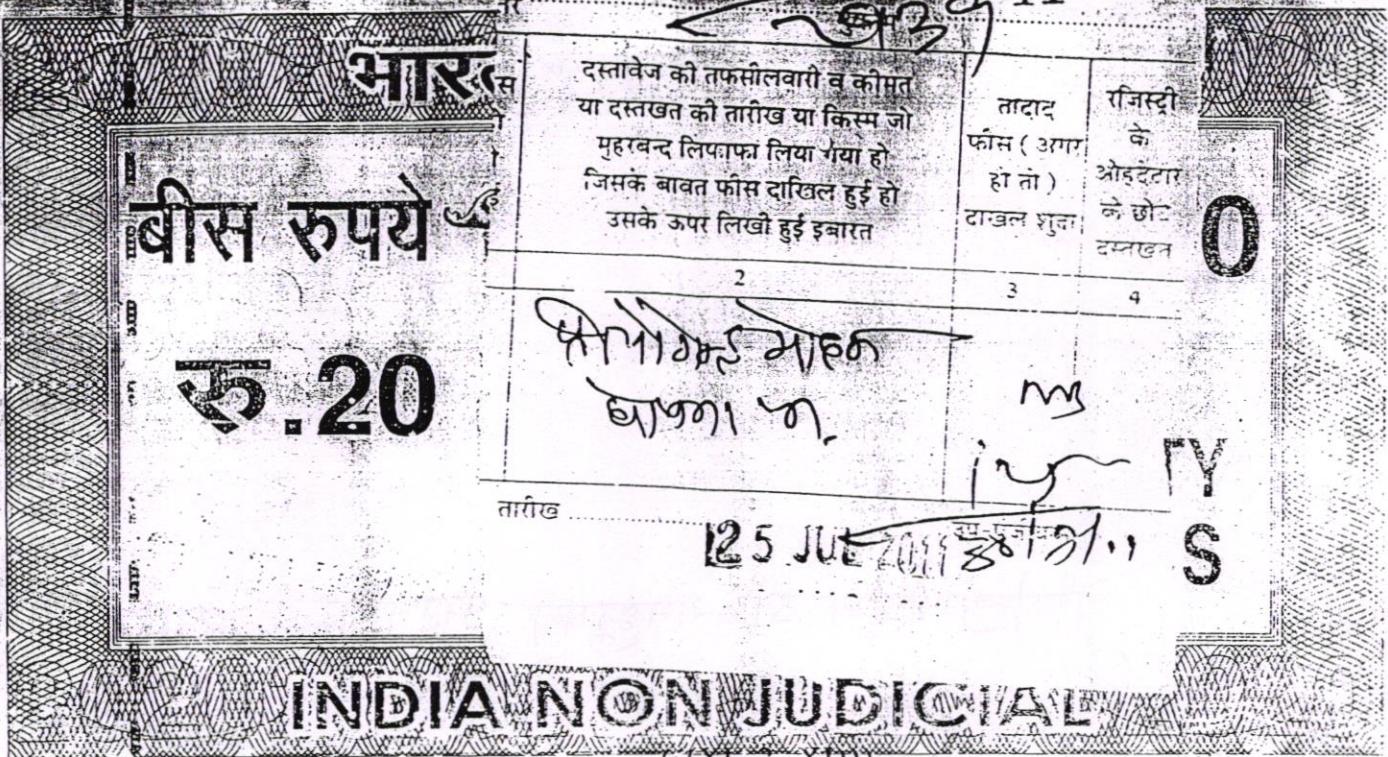
15577 G-81  
मध्यभारत

Janpathagar CR

2011 मोहन 2011 मध्यभारत

द्वाक अधिनियम  
जिला इन्दौर के उप पंजीयन  
शार्यालय में तारीख 25/7/11  
गो. म. पू/म. क 3/10  
स्थुत किया गया।

पर पंजीयन, इन्दौर



(2) यह कि, घोषणाकर्ता ने उपर वर्णित भूमिखण्ड पर सलग्न रेखांक अध्य प्रदेश जिल्हा प्रश्नपत्र इन्द्रारामरपालिक निगम के दाखला क्रमांक 8A/0834/1927/ 1-6-2010 को अनुमोदित किया गगा है के अनुसार "रामकूटी" नामक भवन का निर्माण किया है।

(3) यह कि, उक्त भवन के कुल तीन मंजिल (याने तल घर + 2) है सभी तलों का उपयोग आवासीय सुविधाओं या अन्य सामान्य प्रयोजनों के लिये किया जाएगा। भूतल (बेसमेट) दो उपरी तल तथा पेन्ट हाउस जिसमें व्यक्तिक प्रकोष्ठ भी है, सभी आवासीय/व्यावसायिक प्रयोजनों के लिये है। भूतल तथा उपरी तलों का अलग अलग रूप भागों में प्रयोग किया जा सकता है क्योंकि उनका अपना एक ऐसा निर्गम मार्ग है, जहां से भवन के समिलित क्षेत्र तथा सुविधा से पहुंचा जा सकता है और प्रत्येक प्रकोष्ठ एक या एक से अधिक स्वामियों को सुविधानुसार अलग-अलग भागों में बेचे जाएंगे और उसने प्रत्येक स्वामियों को उसका विशिष्ट तथा अन्य संपत्ति अधिकार, अधिप्राप्ति तथा प्रत्येक प्रकोष्ठ (जिसे इसमें इसके पश्चात् "परिवार" इकाई के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।) राज्य में तत्समय प्रवत्त किसी भी विधि को अर्थान्तर्गत दाय योग्य तथा हस्तान्तरणीय स्थावर संपत्ति होगा। इस लेख के साथ भवन के चढ़ाव, पेसेज एवं भवन की पानी की मोटर, बोरिंग, पानी की टंकी इत्यादि समस्त प्रकोष्ठ होल्डर के सामुहिक उपयोग एवं उपभोग हेतु रहेंगे, जिसका मेन्टेनेन्स सभी प्रकोष्ठधारी सामुहिक रूप से करेंगे। निर्बन्धित समिलित क्षेत्र तथा सुविधाओं पर समस्त रहवासियों को अविभाजित हित भी अभिप्राप्त होगा और उपर्युक्त सभी बातें मध्यप्रदेश प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम, 2000 के अनुसार होगी, इस अधिनियम की प्रत्येक शर्त उपरोक्त भवन की प्रत्येक प्रकोष्ठधारियों को मान्य होकर उस पर बंधनकारक होगी।

155-78 21 JUL 2011

प्रश्नावली दृष्टि का अध्ययन

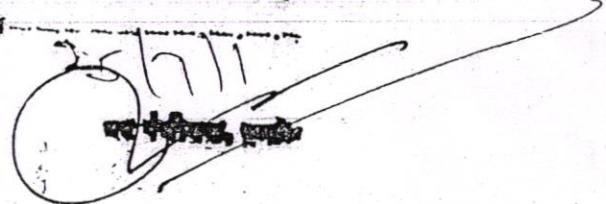
ओगन्ज मोहन डॉ रमभुषण भट्टाचार्य धूलिता जैन  
सं. ६१-ए साकृत ग्रन्थालय  
स्टार्ट वेंडर  
गो. मार्ग, इन्डोर (म.)

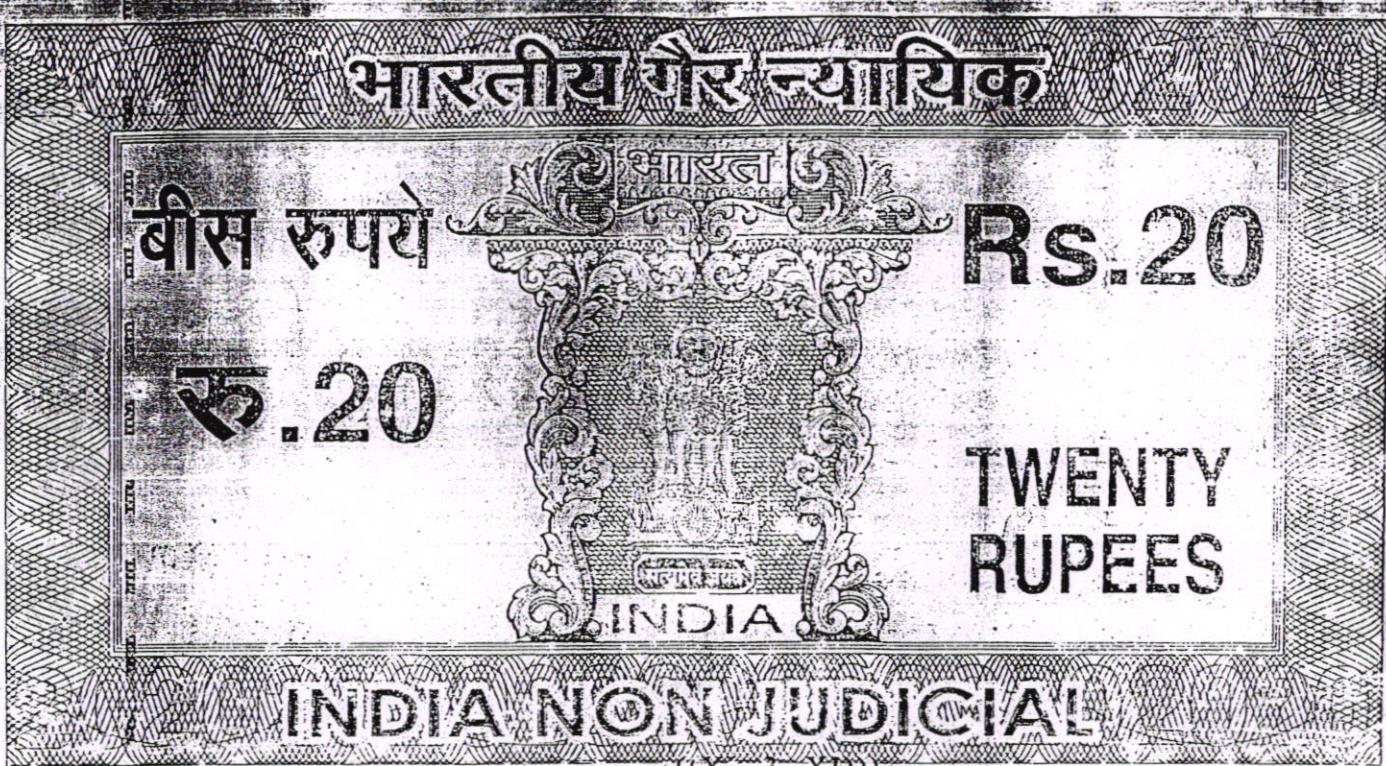
विषय में व्यापक स्पष्ट स्पष्टीय  
दृष्टिकार करते हैं कि तथाकथित  
विषयालय का विषयादान किस  
समाज के दृष्टिकोण से देखा जाए  
(१) दृष्टि का विषय क्या है  
विषय का विषय क्या है  
गढ़ी का विषय क्या है  
दुकानों का विषय क्या है  
पक्षाया रकम यथा क्या है  
इस गई है जो पंजीयन के दाद होगी।

(२) ओमपुराण १० छ. जाताष्टाद परित  
सं. १३५ सांईनाथ डालीनी रुपी

(३) मनोहर १० श्री रम  
सं. ६१-ए साकृत ग्रन्थालय

विषय पूर्वोत्तम निष्पादक / निष्पादक  
विषयालय के विषय में की गई।





(4) ये प्रदेश (MADHYA PRADESH) यह कि, उपरोक्त भवन का निर्मित एरिया (सुपर 8 ब्लॉक 449278 से लेकर 8 ब्लॉक 449278 तक) करीब नक्सेनुसार होगा इस एरिये में सदर भवन के कामन पैसेज, चढ़ाव इत्यादि का एरिया भी सम्मिलित है।

(5) यह कि, उपरोक्त भवन की पारिवारिक इकाईयाँ तथा सम्मिलित क्षेत्र तथा सुविधाएं निम्नानुसार होगी :—

1— यह कि, पारिवारिक इकाईया उपरोक्त सहस्वामित्व भवन के प्रत्येक तल में कमशः पारिवारिक / व्यवसायिक इकाईयाँ हैं उक्त इकाईयों को प्रत्येक तल घर में एक प्रकोष्ठ (प्रकोष्ठ कमांक बी-1), तल मंजिल में एक प्रकोष्ठ (प्रकोष्ठ कमांक जी-1) प्रथम मंजिल में दो प्रकोष्ठ (प्रकोष्ठ कमांक 101 व 102) तक की पारिवारिक इकाईयाँ हैं? इसमें इसके पश्चात ऐसी पारिवारिक इकाईयों को कमशः पारिवारिक इकाई टाईप कमांक 1 पारिवारिक इकाई टाईप कमांक 2 आदि के रूप में निर्देषित किया जायेगा।

प्रत्येक पारिवारिक इकाई में विद्युत संयोजन हेतु जाइंट उपलब्ध होगे पारिवारिक इकाईयों का वर्णन इसके नीचे दिया गया है पारिवारिक इकाई के माप में सभी बाहरी दिवालें तथा आदि ब्लाक विभाजक दिवाल सम्मिलित है किन्तु भारवाही बियरिंग दिवालें सम्मिलित नहीं हैं।

1552

21/11/11

मध्यम दो

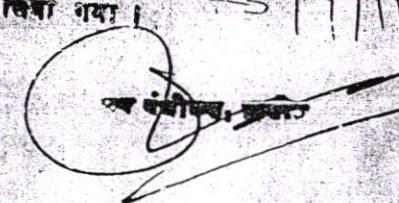
लालता

*Jambudhvargas*

वासापुर/साराज/वासिका

बीमान मीरि कंपनी

का निशान देरे हमें ताता  
गी चिना गया।



मधुबाला जैन

सदाचार प्रेष्ठडर

म. नो. सारं. दावो. (म. व.)

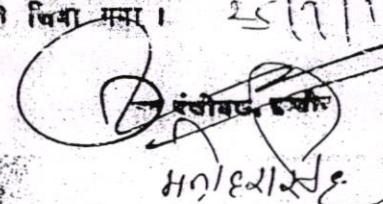
25/11/11



वासापुर/साराज/वासिका

बीमान मीरि कंपनी

का निशान देरे हमें ताता  
गी चिना मार।



म. व. 142142

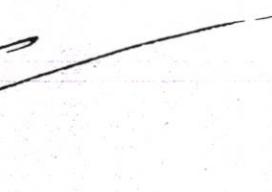


वासापुर/साराज/वासिका

बीमान मीरि कंपनी

का निशान देरे हमें ताता  
गी चिना गया।

म. व. 142142



142142



मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

08AA 449279

इस प्रकार के सदर भवन की तल घर में कुल एक प्रकोष्ठ है। जिसमें से प्रकोष्ठ नंबर बी-1 का सुपर बिल्टप एरिया 460 वर्गफीट है। यह प्रकोष्ठ तल घर पर स्थित होगे।

#### पारिवारिक इकाई टाईप क्रमांक (1)

इस प्रकार के सदर भवन की तल मंजिल में कुल एक प्रकोष्ठ है। जिसमें से प्रकोष्ठ नंबर जी-1 का सुपर बिल्टप एरिया 2025 वर्गफीट है। यह प्रकोष्ठ तल मंजिल पर स्थित होगे।

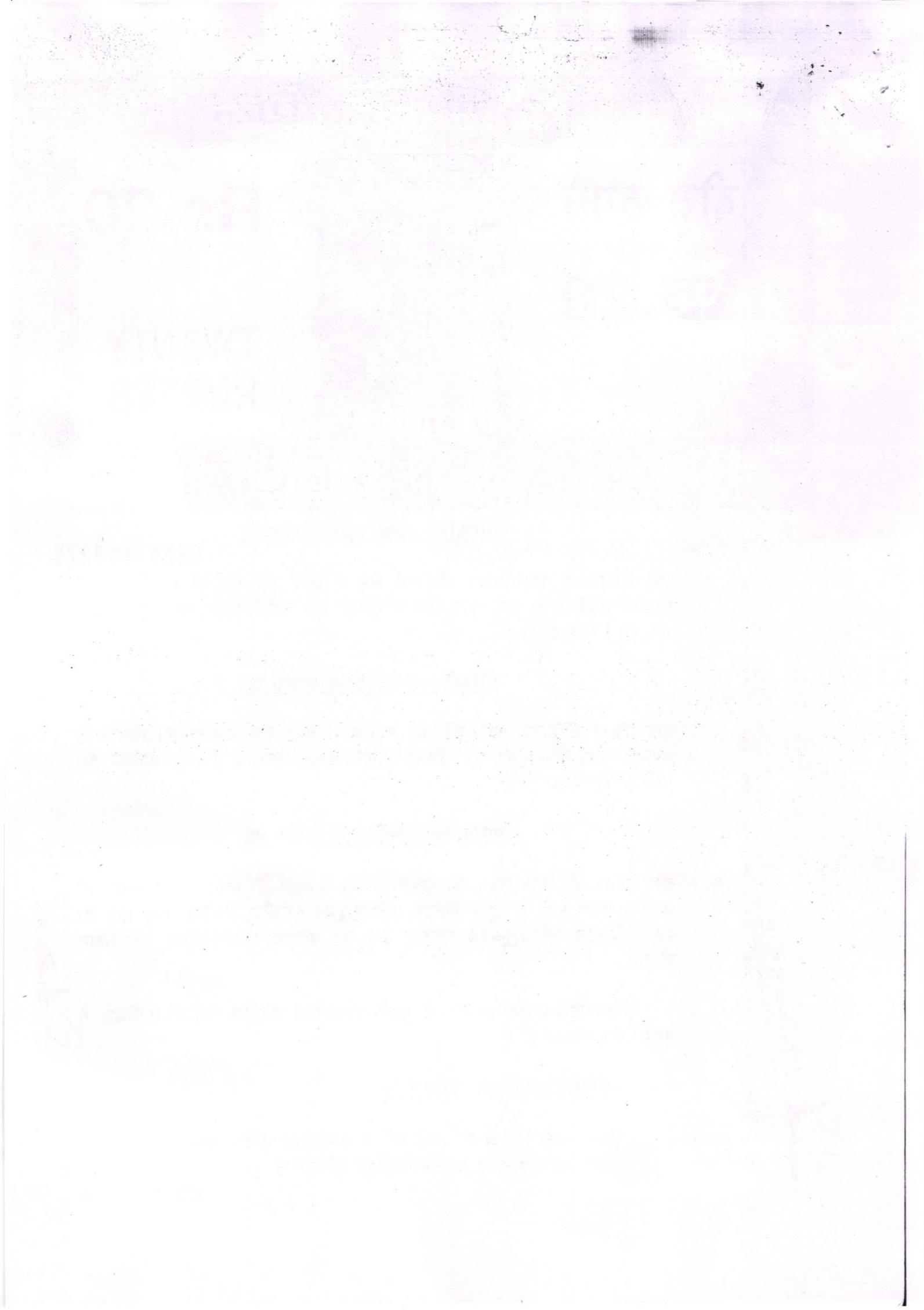
#### पारिवारिक इकाई टाईप क्रमांक (2)

इस प्रकार के सदर भवन की प्रथम मंजिल में कुल दो प्रकोष्ठ है। जिसमें से प्रकोष्ठ नंबर 101 का सुपर बिल्टप एरिया 1190 वर्गफीट, प्रकोष्ठ नंबर 102 का सुपर बिल्टप एरिया 1220 वर्गफीट है। यह प्रकोष्ठ प्रथम मंजिल पर स्थित होगें।

उपरोक्त प्रत्येक प्रकोष्ठ के मुख्य दरवाजे से संबंधित तल के कारिडार में पहुंचा जा सकता है।

#### 2— सम्मिलित क्षेत्र तथा सुविधाएँ :-

- (क) इस विलेख के पहले पेरा में उल्लेखित भूमि -खण्ड
- (ख) सम्पूर्ण भवन में निम्नलिखित सुविधाएँ हैं :-



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

Rs. 20

₹. 20

TWENTY  
RUPEES

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

((X-5-X))

मुख्य प्रदेश

- (1) भवन की छत पर पानी की एक टंकी
- (2) MADHYA PRADESH मजिल पर चारों की टंकी, बोरिंग
- (3) भवन के रहवासियों हेतु पार्किंग स्पेस।

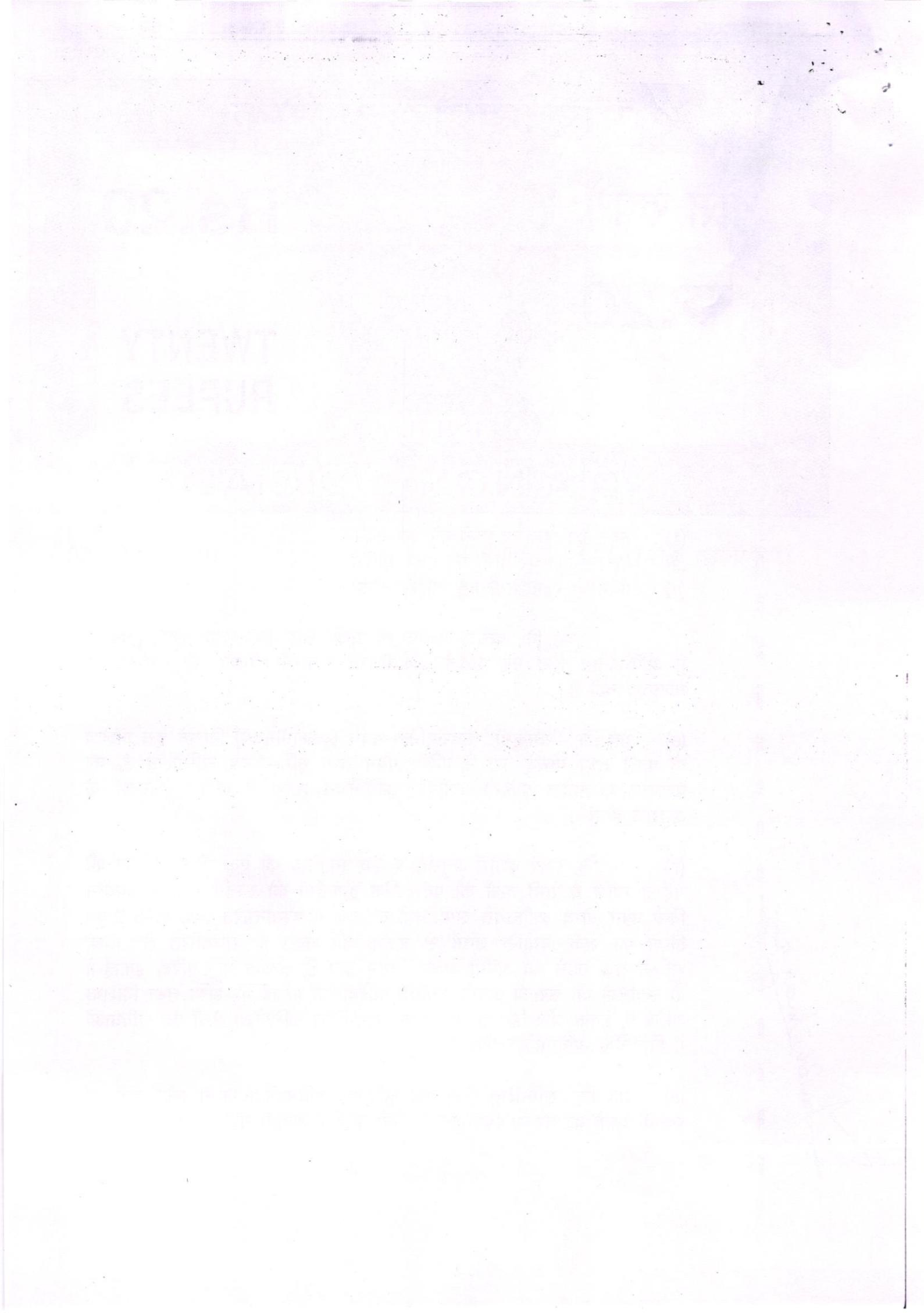
08AA 449280

यह कि, प्रत्येक प्रकोष्ठ के संबंध सम्मिलित क्षेत्रों तथा सुविधाओं में अविभाजित हित का प्रतिशत किसी भी रूप में घोषणा की तारीख को भारग्रस्त नहीं है।

(6) यह कि, "रामकुटी" सहस्वामित्व भवन (कन्डोमेनियम) जिसमें इस विलेख के पहले तथा पांचवे पेरा में वर्णित भवन तथा भूमि-खण्ड सम्मिलित है, का प्रशासन गङ्ध्यप्रदेश प्रकोष्ठ रत्नगित्व अधिनियम 2000 में वर्णित उपबन्धों के अनुसार होगा।

(7) यह कि, उपर दर्शाये अनुसार प्रत्येक स्वामित्व की एक योजना तैयार की गई है ताकि वे सभी तलों को पारिवारिक इकाईयों को स्वतंत्र रूप से उपयोग किये जाने योग्य व्यक्तिगत सम्पत्तियों के रूप में हस्तान्तरित तथा रजिस्ट्रीकृत किया जा सकें, क्योंकि उनमें से प्रत्येक का भवन के सम्मिलित क्षेत्र तथा सुविधा तक जाने का अपना अलग निर्गम द्वारा है, प्रत्येक पारिवारिक इकाईयों के स्वामियों का उसकी अपनी संबंधित पारिवारिक इकाई पर अन्य तथा विशिष्ट अधिकार, हक्क और हित है तथा इसके अतिरिक्त सम्मिलित क्षेत्रों एवं सुविधाओं में विनिर्दिष्ट अविभाजित हित है।

(8) यह कि, सम्मिलित क्षेत्र तथा सुविधाएं अविभाजित रहेगी और कोई भी स्वामी उनके बंटवारे या विभाजन के लिये कोई कार्यवाही नहीं करेगा।



((XI - 6<sup>o</sup> XI)))

(9) यह कि, सामान्य तथा या निर्बन्धित सम्मिलित क्षेत्रों और सुविधाओं में अविभाजित हित उस पारिवारिक इकाई से पृथक नहीं किया जावेगा जिसने की वह अनुलम्ब हो और ऐसा हित, भले ही वह किसी भी हस्तांतरण पत्र या अन्य लिखित अभिव्यक्त रूप से उल्लेखित या तर्जित न हो उस इकाई को हस्तांतरित या भारग्रस्त समझा जावेगा ।

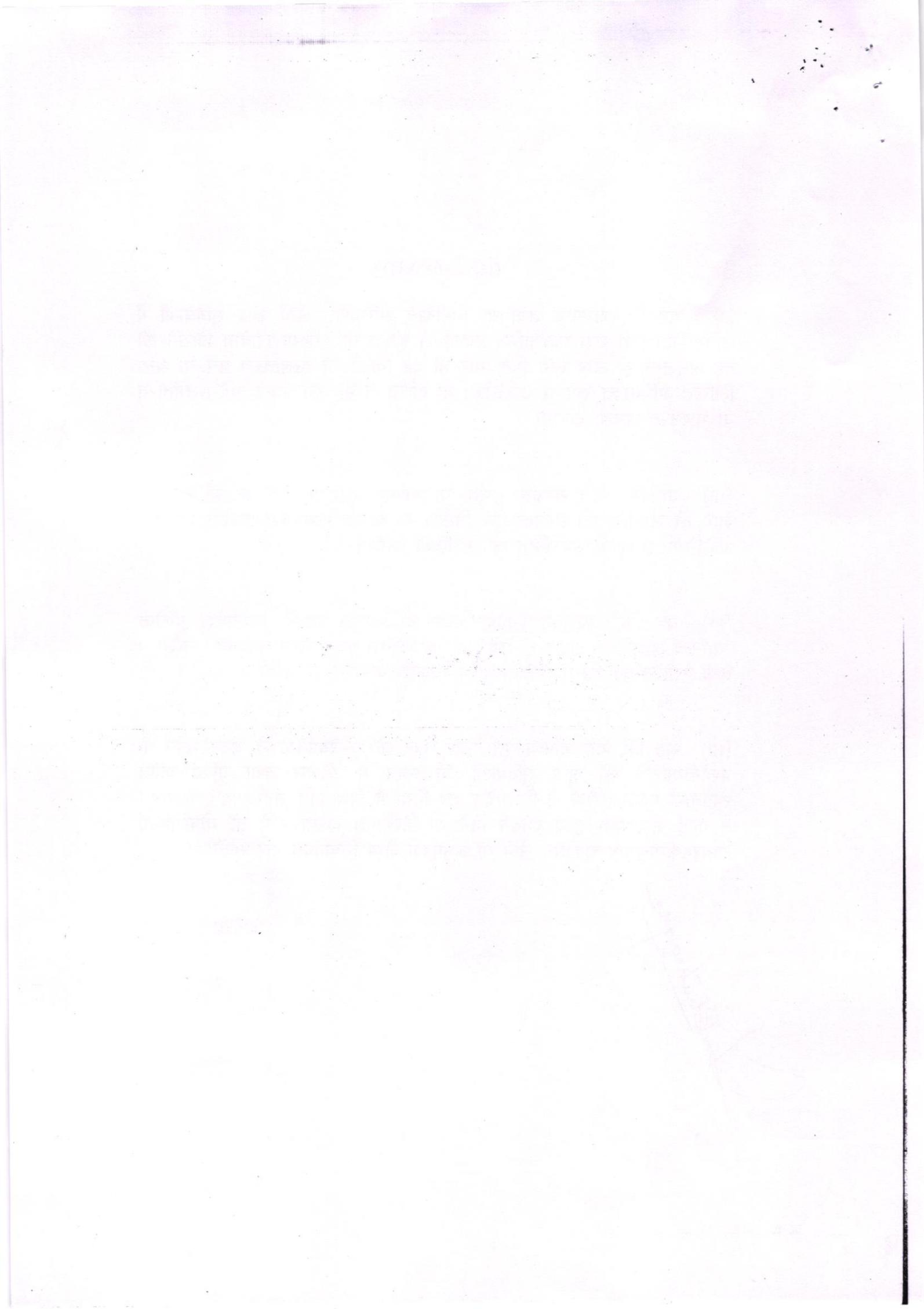
(10) यह कि, यदि सम्पत्ति पूर्णतः या सारभूत रूप से क्षतिग्रस्त या नष्ट हो जावें तो सम्पत्ति की मरम्मत पूर्ण निर्माण या व्ययन मध्यप्रदेश प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम 2000 में उपबन्धित रूप में किया जावेगा ।

(11) यह कि, उपरोक्त प्रकोष्ठ भवन के समस्त स्वामी मध्यप्रदेश प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम 2000 के प्रावधानों के अंतर्गत एक संस्था का गठन करेंगे । तथा ऐसी संस्था का पंजीयन सक्षम प्राधिकारी के यहां करवावेंगे ।

(12) यह कि, यह घोषणा पत्र सदर भवन के भू-स्वामियों ने सदर भवन के प्रकोष्ठधारियों की सुख सुविधाओं को ध्यान में रखकर यथा युक्ति-युक्ति सावधानी पूर्वक तरीके से निष्पादित कर दिया है फिर यदि सदर भवन के संबंध में कोई आवश्यक तथ्य जोड़ने होंगे या विलोपित करना होंगे तो घोषणाकर्ता आवश्यकतानुसार संशोधन लेख या अनुपूरक लेख निष्पादित कर सकेंगे ।

अविरत ..... 7





((XI -7- XI)))

यह विलेख घोषणाकर्ता ने अच्छी तरह पढ़कर सोच सन्दर्भकर, पूर्ण होश-हवास में निष्पादित कर दिया है ताकि सनद रहें व वक्त जरूरत काम आवें।

इति । १२५४/१२०१७

इंदौर

दिनांक :-

साक्षीगण :-

१. सही मीमुषुका सा ठाला घुमाद पंडित

नाम मीमुषुका सा ठाला घुमाद पंडित  
पता ८/३४ सार्वजनिक घटनालयी

२. सही मग्निदरास्त्रृदनाथ S/कृष्ण कुमार  
नाम ५८-A सार्वजनिक  
पता ५८-A सार्वजनिक

हस्ताक्षर घोषणाकर्ता

Subhash Chandra

उभयपक्ष द्वारा प्रदत्त माहिती एवं निर्वाचनुसार तथा पक्षकारों द्वारा उपलब्ध केराई गई फोटो प्रतियों के आधार पर मेरे द्वारा केवल प्रारूपित किया गया है। पक्षकारों एवं गवाह की पहचान एवं संपत्ति से मेरा कोई संबंध नहीं है।

एड्झोकेट

(डॉ नेशा बुम्भात)



30/7/11  
ग्रन्थालय — दिवान  
— १ —  
2205 ०४.३३  
५० — ८७  
कालीन दिवान । 2939



2939

ग्रन्थालय — 100  
दिवान — 25  
कालीन दिवान । 125

